हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 190 देहरादून, मंगलवार, 17 जनवरी, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

बिल लाओ ईनाम पाओ योजना का दूसरा लकी ड्रॉ मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने किया घोषित 3

2.85 करोड़ रूपये से अधिक की धनराशि 190 प्रभावित परिवारों को अन्तरिम राहत के तौर पर वितरित की गई

जोशीमठ में पानी का डिस्चार्ज 540 एल.पी.एम से घटकर 163 एल.पी.एम हुआ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जोशीमठ / देहरादून 16 जनवरी, सचिव आपदा प्रबन्धन डा0 रंजीत कुमार सिन्हा ने जोशीमठ नगर क्षेत्र में हो रहे भू-धंसाव एवं भूस्खलन के उपरान्त राज्य सरकार द्वारा किये जा रहे राहत एवं बचाव, स्थायी/अस्थायी पुनर्वास आदि से सम्बन्धित किये जा रहे कार्यो की मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार की ओर से प्रति परिवार विस्थापन हेतु अग्रिम के रूप मे 190 प्रभावित परिवारों को 2.85 करोड़ रूपये की धनराशि वितरित कर दी गयी है।

भारत सरकार के स्तर पर सीबीआरआई द्वारा भवनों के क्षति आकलन हेतु क्रेक मीटर सम्बन्धित भवनों में लगाए गये

राहत की खबर है कि जोशीमठ में प्रारम्भ में निकलने वाले पानी का डिस्चार्ज जो कि 6 जनवरी 2023 को 540 एल.पी.एम. था, वर्तमान में घटकर 163 एल.पी.एम. हो गया है। सचिव आपदा प्रबन्धन ने जानकारी दी कि भारत सरकार के स्तर पर सीबीआरआई द्वारा भवनों के क्षति का आकलन हेतु क्रेक मीटर सम्बन्धित भवनों पर लगाये गये है। अभी तक 400 घरों का क्षति आंकलन किया जा चुका है। वाडिया संस्थान द्वारा 03 भूकम्पीय स्टेशन लगाये जा चुके है, जिन से आंकड़े भी प्राप्त किये जा रहे हैं। एनजीआईआर द्वारा हाइड्रोलॉजिकल सर्वेक्षण का कार्य किया जा रहा है। सीबीआरआई, आईआईटी रूड़की, वाडिया इन्स्टीट्यूट, जीएसआई, आईआईआरएस जोशीमठ में कार्य कर रही हैं।

सचिव आपदा प्रबन्धन ने जानकारी दी कि अस्थायी रूप से चिन्हित राहत शिविरों में जोशीमठ में कुल 615 कक्ष/कमरे है जिनकी क्षमता 2190 लोगों की है तथा पीपलकोटी में 491 कक्ष/कमरे है जिनकी क्षमता 2205 लोगों की है। प्रभावितों को वितरित राहत राशि के तहत प्रति परिवार 5000 रूपये की दर से घरेलू राहत सामाग्री हेतु अभी तक कुल 73 (कुल 3.65 लाख रूपये) प्रभावितों को वितरित की गई है। तीक्ष्ण / पूर्ण क्षतिग्रस्त भवन हेतु 10 प्रभावितों को 13.00 लाख रूपये धनराशि वितरित की गई है। मकान किराये के लोग आवेदन कर रहे हैं। सचिव आपदा प्रबन्धन ने जानकारी दी कि अभी तक 849 भवनों की संख्या जिनमें दरारें दृष्टिगत हुई है। सर्वेक्षण का कार्य गतिमान है। उन्होनें जानकारी दी कि गांधीनगर में 01, सिंहधार में 02, मनोहरबाग में 05, सुनील में 07 क्षेत्र / वार्ड असुरक्षित घोषित किए गए हैं। 165 भवन असुरक्षित क्षेत्र में स्थित है।

- अभी तक 400 मकानों का क्षति आकलन किया जा चुका है।
- वाडिया संस्थान द्वारा 03 भूकम्पीय स्टेशन लगाये जा चुके है, जिनसे आकड़े भी प्राप्त हो रहे हैं

237 परिवार सुरक्षा के दृष्टिगत अस्थायी रूप से विस्थापित किये गये है। विस्थापित परिवार के सदस्यों की संख्या 800 है।प्रेस वार्ता में अपर सचिव आपदा प्रबन्धन, निदेशक उत्तराखण्ड भूस्खलन प्रबन्धन एवं न्यूनीकरण संस्थान, प्रभारी अधिकारी पीआईबी, निदेशक वाडिया संस्थान, निदेशक आईआईआरएस देहरादून, निदेशक एनआईएच तथा निदेशक आईआईटीआर उपस्थित थे।

सेलाकुई में पावरलूम इकाई का कृषि मंत्री गणेश जोशी ने किया उद्घाटन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 16 जनवरी । प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने देहरादून के सेलाकुई स्थित ग्रोथ सेंटर में उत्तराखण्ड रेशम फेडरेशन के प्रथम उच्च तकनीकीयुक्त इलैक्ट्रोनिक जैकार्ड पावरलूम इकाई का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मंत्री जोशी ने इलैक्ट्रोनिक जैकार्ड युक्त पावरलूम और रिलिंग यूनिट का निरीक्षण किया और इस उद्योग से जुड़े कार्मिको से विस्तार में जानकारी ली।

इस अवसर पर मंत्री गणेश जोशी ने प्रदेश में रेशम विभाग के सहयोग से उत्तराखण्ड को-ऑपरेटिव रेशम फेडरेशन द्वारा उच्च तकनीकीयुक्त इलैक्ट्रानिक जैकार्डयुक्त पावरलूम का शुभारम्भ पर प्रसन्नता व्यक्त की। मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि विगत 5 से 7 वर्षों में रेशम फेडरेशन द्वारा लगभग 1.20 करोड़ के रेशम एवं रेशम मिश्रित वस्त्रों का विक्रय किया गया है। जिसमें इस वित्तीय वर्ष में लगभग रू0 45 लाख की धनराशि के वस्त्र अब तक तक विक्रय किये गये हैं। इस वर्ष फेडरेशन द्वारा लगभग रू0 50.0 लाख का विक्रय लक्ष्य निर्धारित किया है। मंत्री ने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि फेडरेशन अपने प्रयासों से इससे कई अधिकं 1 करोड़ के लक्ष्य को प्राप्त करेगा। मंत्री ने कहा रेशम फेडरेशन द्वारा विगत समय में लगभग 149 लाभार्थियों को केन्द्रीय रेशम बोर्ड के सहयोग से प्राप्त धनराशि से जैकार्डयुक्त हैण्डलूम वितरित किये गये है।

उन्होंने कहा वर्तमान में उन लाभार्थियों के प्रशिक्षण कार्य चल रहा है तथा कुछ बुनकरों द्वारा बहुत सुन्दर रेशमी कपड़ों की बुनाई भी की जा रही है। मंत्री जोशी ने कहा आने वाले समय में इन सभी लाभार्थियों को स्वरोजगार उपलब्ध होगा, जिससे लाभार्थियों को आर्थिक लाभ होगा।मंत्री जोशी ने कहा फेडरेशन द्वारा जिन वस्त्रों का उत्पादन अभी तक हैण्डलूम द्वारा या आउटर्सोस के माध्यम से धागा बाहर भेजकर किया जा रहा है। इस पावरलूम की स्थापना से उनका उत्पादन भी अब सेलाकुई में शुरू हो जायेगा, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे तथा स्थानीय निवासियों को रोजगार उपलब्ध होगा। मंत्री जोशी ने कहा कि अभी यहां पर शीघ्र ही एक और पॉवर लूम की स्थापना की जाएगी। उन्होंने कहा वर्ष 2025 तक हम रेशम के उत्पादन को दुगना करेंगे इस संकल्प के साथ कार्य किया जा रहा है।

मंत्री जोशी ने कहा राज्य रेशम निदेशालय के तकनीकी सहयोग से प्रदेश भर में उत्पादित किये जा रहे कोया उत्पादन को अब फेडरेशन द्वारा Farm to Fashion की पूर्ण श्रंखला पर व्यावसायिक दृष्टिकोण से आगे ले जाने का संकल्प लिया गया है।

जिससे निश्चित रुप से प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रुप से जुड़े रेशम कास्तकारों को सीधे लाभ होगा। उन्होंने कहा फार्म टू फैशन की अवधारणा पर कार्य करने के पीछे मुख्य उद्देश्य रेशम कीटपालकों को पूर्णतः व्यावसायिक दृष्टिकोण से जोड़कर उनकी आय वृद्धि के साथ ही राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्तराखण्ड के रेशम एवं रेशम मिश्रित वस्त्रों की पहचान बनाना है। पावरलूम की स्थापना वस्त्रोत्पादन के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। इस अवसर सहसपुर विधायक सहदेव पुंडीर, रेशम फेडरेशन अध्यक्ष अजीत चौधरी, रेशम निदेशक आनंद कुमार यादव, फेडरेशन एमडी आनंद शुक्ला, फेडरेशन उपाध्यक्ष विक्रम सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

Health Tips : अँधा बना देगी अँधेरे में मोबाइल की आदत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 16 जनवरी , आप खाली वक्त में रिलैक्स के लिए क्या करते हैं? लाइट ऑफ कर सुकून से टीवी देखते हैं या मोबाइल का स्क्रीन स्क्रॉल करते हैं। लेकिन जरा ठहरिए। सुकून के ये पल आपकी आंखों के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं। अंधेरे में आंखों में सीधी जाती टीवी या मोबाइल की नीली रोशनी आपकी नजर को हमेशा के लिए कमजोर कर सकती है। इससे मैक्यूलर डिजनरेशन जैसी गंभीर समस्या हो सकती हैं। मैक्यूला के एक बार खराब होने के बाद इसे ठीक करना लगभग नामुमकिन होता है। यानी आंखों की रोशनी हमेशा के लिए जा सकती है। ऐसे में रात में स्क्रीन देखने के खतरे और इसके सही तरीके को जान लेना जरूरी है।

ब्लिंकिंग रेट कम कर देती है मोबाइल-टीवी की रोशनी

अंधेरे में स्क्रीन देखने से मोबाइल, लैपटॉप या टीवी की रोशनी सीधे आँखों तक आती है। जिसके चलते आंख उस रोशनी पर ज्यादा कॉन्सन्ट्रेट करने लगती है। जिसके चलते आंखों की ब्लिंकिंग रेट कम हो जाती है। सामान्य इंसान प्रति मिनट 12 से 14 बार पलक झपकता है। लेकिन लगातार स्क्रीन देखने से यह रेट कम होकर 6 से 7 रह जाती है। ब्लिंकिंग रेट कम होना ही ड्राइनेस, जलन, इन्फेक्शन, मैक्यूलर डिजनरेशन जैसी आंख की ज्यादातर समस्याओं का कारण बनता है।

रेटिना को नुकसान पहुंचाती है स्क्रीन लाइट

अंधेर में मोबाइल, लैपटॉप या टीवी से निकलने वाली लाइट आंख में मौजूद रेटिना को प्रभावित करती है। जिसके चलते धीरे-धीरे यह ढीली हो जाती है। रेटिना को

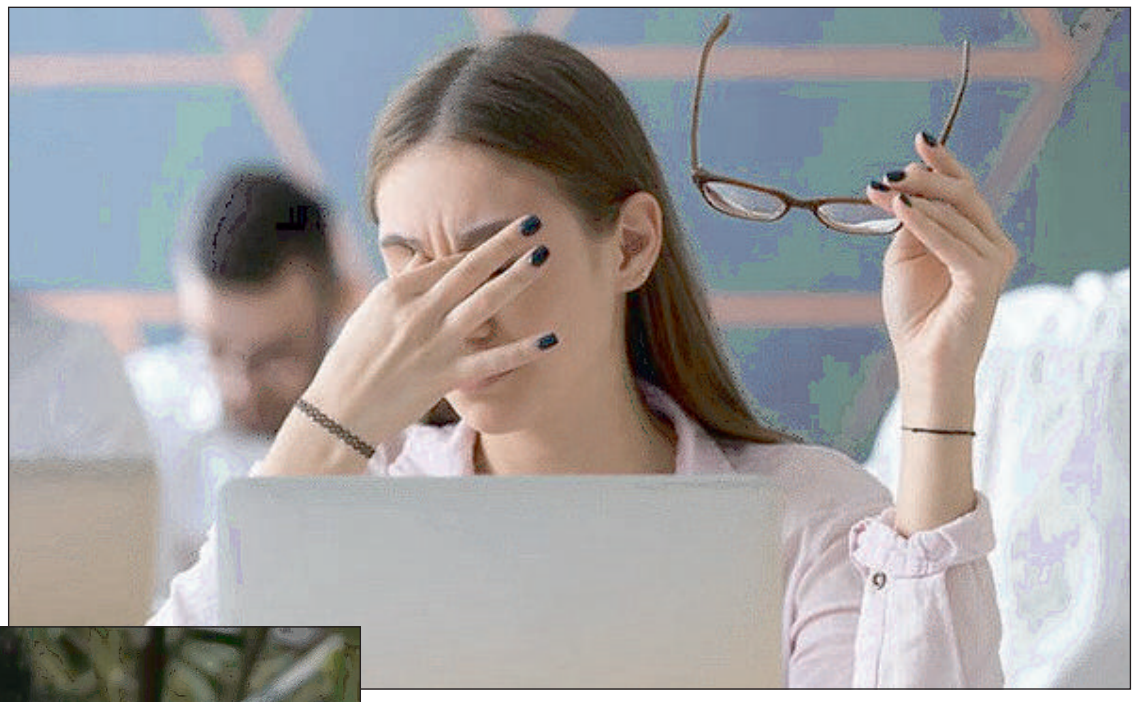

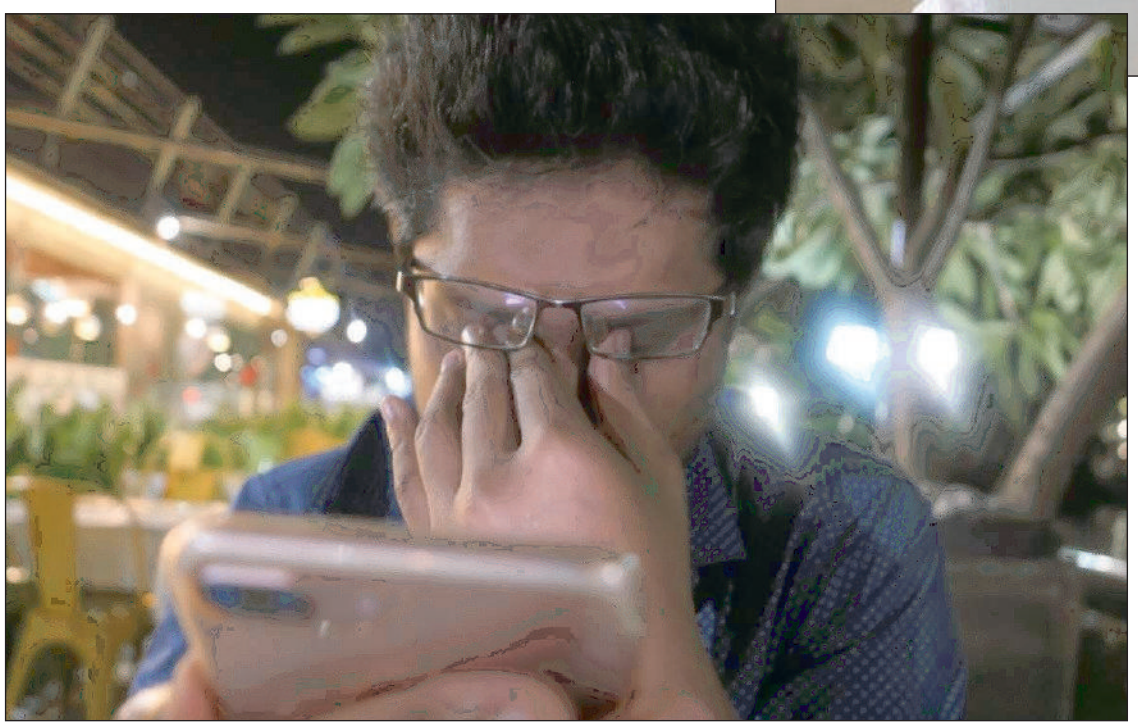

नुकसान पहुंचने के बाद धुंधला दिखाई देता है। सोने से पहले और उठने के तुरंत बाद फोन चलाना सबसे खबसे खतरनाक माना जाता है। इस वक्त आंखों को सबसे ज्यादा आराम की जरूरत होती है।

नपुंसक कर सकती है फोन की रोशनी, तनाव और कैंसर की भी वजह

ब्रिटेन की एक्टिजर यूनिवर्सिटी की एक रिसर्च के मुताबिक मोबाइल से निकलने वाली इलेक्ट्रोमैग्नेटिक किरणें नपुंसकता का कारण बन सकता हैं। दूसरी कई रिसर्चों में मोबाइल फोन की रोशनी को तनाव और कैंसर का भी कारण बताया गया है।

दिन में इस वजह से होता है कम नुकसान

दिन में या लाइट में हमारी आंखें फोन के स्क्रीन पर ज्यादा फोकस नहीं करती। जिसके चलते इसका प्रभाव भी आंखों पर कम पड़ता है। लेकिन रात में या अंधरे में हमारी आंखें सीधे स्क्रीन को देखती हैं। जिसके चलते आंखों पर कम असर पड़ता है।

अब आइए उन उपायों को जान लेते हैं, जिसके सहारे आंखों को बचाया सकता है

-अंधेर में जहां तक संभव हो स्क्रीन से दूर रहें।

-20-20 का फॉर्मूला अपनाएं, यानी हर 20 मिनट स्क्रीन टाइम के बाद 20 सेकेंड का ब्रेक लें।

-रात में अलग स्क्रीन पर समय बिताना हो तो कोशिश करें कि कमरे की लाइट जलती रहे।

-परेशानी लगातार रहे तो तत्काल डॉक्टर की सलाह लें।

-रात में फोन चलाते हुए नाइट मोड को ऑन कर लें।

-ब्लू कट लेंस का चश्मा पहनना भी फायदेमंद हो सकता है। ये स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी को काफी हद तक रोक देती है।

व्हाट्सअप कॉल होगी रिकॉर्ड, बस करना होगा ये काम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 16 जनवरी , अगर आप सोचते हैं कि व्हाटसप की बातचीत सुरक्षित है और वो कहीं रिकॉर्ड नहीं हो रही है तो हमारी ये खबर पढ़ लीजिये क्योंकि तकनिकी के ज़माने में असम्बह्व कुछ भी नहीं है। हर वर्ग और उम्र में व्हाट्सअप का इस्तेमाल आज आम हो गया है। कई बार हम चाहते हैं कि WhatsApp पर जो कॉल हमारे पास आए वो रिकॉर्ड हो जाए। लेकिन ऐसा हो नहीं पाता है क्योंकि इसके लिए अभी कोई भी आधिकारिक फीचर कंपनी ने नहीं दिया है। लेकिन फिर भी आप आसानी से WhatsApp पर कॉल रिकॉर्ड कर पाएंगे। इसके लिए आपको बस एक ऐप डाउनलोड करनी होगी। यह ऐप गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है और इसे फ्री में डाउनलोड किया जा सकता है।

Whatsapp Call Record इस ऐप का नाम Call Recorder - Cube ACR

है। इसके जरिए आप WhatsApp पर आने वाली हर कॉल रिकॉर्ड कर पाएंगे। अब यह कैसे करना है ये हम आपको यहां स्टेप बाय स्टेप बता रहे हैं। आपको बता दें कि यह तरीका एंड्रॉइड पर काम करता है। iPhone में यह ऐप नहीं है। यहां पर जो ऐप्स उपलब्ध हैं उन सभी का पेड सब्सक्रिप्शन लेना होगा। चलिए आपको एंड्रॉइड के इस ऐप के बारे में बताते हैं।

Whatsapp Call Record पर कॉल रिकॉर्ड करने का तरीका:

Whatsapp Call Record कॉल रिकॉर्ड करने के लिए गूगल प्ले स्टोर पर जाना होगा।फिर आपको यहां से Call Recorder - Cube ACR ऐप डाउनलोड करनी होगी। यह एक फ्री ऐप है।ऐप डाउनलोड होने के बाद आपको फोन के एक्सेसिबिलिटी पर जाना होगा। फिर सेटिंग्स सेक्शन में जाना होगा।इसके बाद ऐप कनेक्टर को इनेबल कर दें।फिर आपसे कुछ परमीशन मांगी जाएंगी उन्हें Allow कर दें।यहां आपको कुछ विकल्प दिए गए हैं। उसमें से आपको WhatsApp चुनना होगा।अब जब भी आपके पास WhatsApp कॉल आएगी तो हर कॉल रिकॉर्ड हो जाएगी। यह आपके फोन में सेव रहेगी।

शिकायतों के निस्तारण की नियमित समीक्षा करें अधिकारी : सोनिका, डीएम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 16 जनवरी। जिलाधिकारी सोनिका की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार कलेक्टेट में आयोजित जनसुनवाई में 88 शिकायतें प्राप्त हुई। जिनमें कई शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। जनसुनवाई में अधिकतर शिकायतें भूमि विवाद, अवैध अतिक्रमण, वार्ड संख्या 45 गांधी ग्राम एवं वार्ड 71 ब्रहामणवाला में नगर निगम की भूमि पर कब्जा, शासकीय भूमि पर कब्जा से संबंधित प्राप्त हुई इसके अतिरिक्त शस्त्र लाइसेंस बनवाने, सीवर सड़क में बहने, कनेक्शन दिलवाने, विद्युत कनेक्शन लगवाने, अवैध रूप से पेड़ काटे जाने, बैरीकेटिंग लगवाने, खनन वाहनों के आवागमन से दुर्घटना होने की संभावना, पति की पैतृक संपत्ति पर हिस्सा दिलाने, लांघा रोड़ पर बस सड़क ठीक कराने, अवैध निर्माण, मोबाइल टावर लगवाने आदि शिकायतें प्राप्त हुई। जिलाधिकारी ने वर्चुअल माध्यम से जनसुनवाई में जुड़े उपजिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने क्षेत्र की शिकायतों के निस्तारण की नियमित समीक्षा करें। तथा शिकायतों के निस्तारण के उपरान्त शिकायतकर्ता को भी कृत कार्यवाही से अवगत करा दिया जाए।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन शिकायतों के निस्तारण में शिकायतकर्ता संतुष्ट नहीं है, ऐसी शिकायतों पर उच्च अधिकारी भी मौका मुआवना कर आख्या दें। जनसुनवाई में कई ऐसी शिकायतें प्राप्त हो रही है जिनपर मा0 न्यायालय में वाद विचाराधीन है ऐसी शिकायतों का तत्काल निस्तारण संभव नहीं है की जानकारी भी शिकायतकर्ता को भी दे दी जाए ताकि शिकायतकर्ता को अनावश्यक न भटकना न पड़े। जिलाधिकारी ने सरकारी भूमि पर कब्जे की शिकायतों पर अवैध कब्जों की जांच हेतु अपर जिलाधिकारी प्रशासन की अध्यक्षता में बनाई गई समिति को जांच करने के निर्देश दिए।

इसी प्रकार सभावाला विकासनगर में शासकीय भूमि पर कब्जा तथा भीमावाला में रातों-रात पेड़ काटने की शिकायत पर मुकदमा दर्ज करने तथा उपजिलाधिकारी विकासनगर को प्रकरण की जांच करने के निर्देश दिए। ग्रामवासियों द्वारा मालदेवता में बैरीकेटिंग लगाने की मांग तथा केसरवाला में सेना द्वारा सड़क निर्माण न करने देने की शिकायत पर उपजिलाधिकारी सदर को जांच करने के निर्देश दिए। स्थानीय निवासी ने सुवाखोली में ग्राम प्रधान द्वारा निर्माण न करने देने की शिकायत पर उपजिलाधिकारी सदर को जांच करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार ईस्ट होपटाउन में स्वामित्व योजना अन्तर्गत नाम दर्ज न होने की शिकायत पर उपजिलाधिकारी विकासनगर को निर्देशित किया जिस पर उपजिलाधिकारी विकासनगर ने अवगत कराया कि आनलाइन नाम दर्ज करने की प्रक्रिया गतिमान है जिसमें जल्द ही सभी नाम आनलाइन दर्ज हो जाएंगें। इसी प्रकार जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों का निस्तारण करते हुए शिकायतकर्ता से भी दूरभाष पर वार्ता करने के निर्देश दिए। साथ ही निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन पर कोई भी शिकायत लंबित न रहे अधिकारी इसका विशेष ध्यान रखें।

जनसुनवाई में मुख्य विकास अधिकारी झरना कमठान, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 एस के बरनवाल, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व के.के मिश्रा, नगर मजिस्ट्रेट कुश्म चैहान, उप जिलाधिकारी सदर नरेश चन्द दुर्गापाल, पुलिस अधीक्षक सर्वेश चैहान, सहायक नगर आयुक्त एसपी जोशी, जिला विकास अधिकारी सुशील मोहन डोभाल, निदेशक ग्राम्य विकास अभिकरण आरसी तिवारी, सहायक निदेशक सूचना बी.सी नेगी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 मनोज कुमार उप्रेती, मुख्य कृषि अधिकारी लतिका सिंह, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी शशिकांत गिरी, जिला समाज कल्याण अधिकारी गोवर्धन, एमडीडीए, लोनिवि, पेयजल निगम, जल संस्थान, सिंचाई, विद्युत आदि संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

इसके उपरान्त जिलाधिकारी सोनिका ने गणतंत्र दिवस की तैयारियो एवं व्यवस्थाओं को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए उन्होंने कार्यक्रम दिवस पर सीटिंग व्यवस्था, पेयजल, विद्युत, बैरीकेटिंग व्यवस्थाओं के साथ ही कार्यक्रम स्थल पर चिकित्सकों के साथ ही एम्बुलेंस की तैनाती करने तथा यातायात व्यवस्था आदि सभी व्यवस्थाएं बनाने के निर्देश दिए।

बिल लाओ ईनाम पाओ योजना का दूसरा लकी ड्रॉ मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने किया घोषित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 16 जनवरी। राज्य सरकार द्वारा उपभोक्ताओं को बिल लेने के संबंध में जागरूक करने के उद्देश्य से बिल लाओ ईनाम पाओ योजना चलायी जा रही है, जिसका दिसंबर माह अथवा दूसरा लकी ड्रॉ वित्त मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल जी के द्वारा निकाला गया। जिसमें 500 स्मार्ट फ़ोन, 500 स्मार्ट वॉच, 500 एयर बड शामिल है।

राज्य मुख्यालय में लकी ड्रॉ निकाला गया। वित्त मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने बताया कि लकी ड्रॉ में 01 दिसम्बर 2022 से 31 दिसम्बर 2022 तक की अवधि में की गयी खरीद पर अपलोड किये गए 9158 बिलों को शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि इस बिलों की धनराशि 6 करोड़ 13 लाख रुपए है।

डॉ अग्रवाल ने बताया कि इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य प्रदेश के विकास एवं कर संग्रह में वृद्धि हेतु जनता के योगदान को प्रोत्साहित करना है। इस प्रकार खरीद पर बिल प्राप्त करने की जागरूकता के माध्यम से राजकोष को सुरक्षित करने में समस्त हितधारकों की भागीदारी सुनिश्चित किये जाने के लिए राज्य कर विभाग द्वारा "बिल लाओ ईनाम पाओ'' योजना लागू की गई है।

डॉ अग्रवाल ने अपील करते हुए कहा कि लकी ड्रॉ में आप भी शामिल हो सकते है, इसके लिए उत्तराखंड के पंजीकृत व्यापारी से सामान खरीदकर बिल को BLIPUK App पर अपलोड करना होगा। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत पुरस्कार विजेताओं तथा पुरस्कार वितरण में पूर्ण पारदर्शिता रहे इसीलिए इस सम्पूर्ण प्रक्रिया में कोई मानवीय हस्तक्षेप नहीं रखा गया है। सम्पूर्ण कार्यवाही इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से पूर्ण की जाती है। इस मौके पर कमिश्नर राज्य कर इकबाल अहमद, स्पेशल कमिश्नर बृजवाल, एडिशनल कमिश्नर अनिल सिंह, अमित गुप्ता, ज्वाइंट कमिश्नर अनुराग मिश्रा, जगदीश आदि विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

आपका भाग्य : 18 जनवरी से इन 3 राशियों की चमक सकती है किस्मत !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 16 जनवरी , वैदिक ज्योतिष में बुध ग्रह को एक शुभ ग्रह माना गया है। बुध ग्रह का जातकों पर शुभ और अशुभ दोनों प्रभाव पड़ता है। इस माह में बुध देव मार्गी होंगे, जिसका प्रभाव सभी 12 राशियों के जातकों पर पड़ेगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार बुध देव 18 जनवरी 2023 को शाम 6 बजकर 18 मिनट पर धनु राशि में मार्गी होंगे। बुध देव के मार्गी होने का अनुकूल और प्रतिकूल प्रभाव जातकों पर पड़ेगा। आइए जानते हैं कि इस दौरान किन-किन राशियों के लोगों को बुध देव का साथ मिल सकता है और उन्हें सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं।

मिथुन राशि

इस राशि के जातकों के लिए बुध देव लग्न और चौथे भाव के स्वामी होते हैं। जातकों की कुंडली में बुध देव सातवें भाव में मार्गी होंगे। बुध देव के मार्गी होने का जातकों पर अनुकूल प्रभाव पड़ सकता है। नौकरी बदले की योजना बना रहे जातकों को बुध देव का साथ मिल सकता है। इस दौरान आपकी सेहत भी अच्छी रह सकती है। लंबे समय से चली आ रही परेशानियां खत्म हो सकती हैं। कई जातकों के इस दौरान विवाह भी हो सकते हैं।

मकर राशि : मकर राशि के जातकों के लिए बुध देव छठे और नौवें भाव के स्वामी होते हैं। बुध देव जातकों की कुंडली के बारहवें भाव में मार्गी होंगे। पेशेवर जीवन के लिए समय अच्छा हो सकता है। जातकों को करियर में अच्छे मौके मिल सकते हैं।

कुंभ राशि : कुंभ राशि के जातकों के लिए बुध देव पांचवें और आठवें भाव के स्वामी होते हैं। कुंडली में बुध देव ग्यारहवें भाव में मार्गी होंगे। जातकों को निवेश से लाभ प्राप्त हो सकता है। छात्र जातकों के लिए भी समय अच्छा हो सकता है। प्रेमी जातकों के लिए भी समय अनुकूल हो सकता है।

उत्तर भारत में चटक धूप के बाद भी लोगों को सताएगी कड़ाके की ठंड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 16 जनवरी , देश भर में सर्दी और पहाड़ों में बर्फ़बारी का सीजन अपने शबाब पर आ गया है। हांलाकि मकर संक्रांति से देश के ज्यादातर इलाकों में धूप निकलने से लोगों को काफी राहत पहुंची है। हफ्तों बाद लोगों को सूरज के दर्शन हुए हैं। हालांकि, अभी भी सर्द हवाओं के कारण काफी ठंड है और अभी आने वाले 2-3 दिनों में भी लोगों को इसका सामना करना पडेग़ा। मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने भविष्यवाणी की है कि 18 जनवरी तक उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में शीतलहर की स्थिति बनी रहेगी। इस दौरान, भीषण सर्द हवाएं चलने की भी आशंका है। मौसम विभाग का कहना है कि ये स्थिति तब तक बनी रहेगी, जब तक कि पश्चिमी विक्षोभ कुछ राहत नहीं देता, जिसमें गुरुवार तक राहत का अनुमान है।

तापमान में आएगी 2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट

मौसम विभाग ने कहा कि 17 जनवरी तक उत्तरी और मध्य भारत के कुछ हिस्सों में न्यूनतम तापमान में लगभग 2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आएगी। वहीं, 18 से 20 जनवरी के दौरान तापमान में 3-5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि आएगी।आईएमडी के बुलेटिन के अनुसार, एक ताजा पश्चिमी विक्षोभ 18 जनवरी की रात को पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित कर सकता है। इससे जम्मू - कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में हल्की से मध्यम बारिश या बर्फबारी हो सकती है। पश्चिमी विक्षोभ एक अतिरिक्त उष्णकटिबंधीय मौसम प्रणाली है जो भूमध्य सागर में उत्पन्न होती है और इससे भारतीय उपमहाद्वीप के उत्तर-पश्चिमी भागों में बारिश या बर्फबारी होती है।

पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और यूपी में अगले 5 दिनों में घने कोहरे की संभावना

मौसम विभाग का कहना है कि उत्तर भारत के कुछ इलाकों में अगले पांच दिनों में सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। इनमें पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्से शामिल हैं। आईएमडी के अनुसार, सोमवार(16 जनवरी, 2023) को दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान 18 और 3 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। राष्ट्रीय राजधानी में रविवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री कम 4.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

छोड़ी लाखों की नौकरी MA इंग्लिश लड़की ने खोली चाय की दुकान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 16 जनवरी , कहते हैं कि जब इंसान के भीतर मेहनत करने का जज्बा होता है तो वह कठिन परिस्थितियों में भी बुलंदियां छूने का रास्ता निकाल लेता है। पिछले कुछ सालों में बहुत सारे युवाओं ने अपनी अच्छी-खासी नौकरी छोड़कर छोटे स्टार्टअप शुरू किये हैं। MBA चायवाला, ग्रेजुएट चायवाली से लेकर अब MA इंग्लिश चायवाली अपने काम से लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींच रही है। एमए इंग्लिश चायवाली ने लाखों की नौकरी छोड़कर चाय की दुकान शुरू की है।

भले ही आपको लग रहा हो कि चाय की दुकान से क्या होगा, लेकिन लड़की के पास एक ऐसा विजन है। जिससे वह चायोज जैसे बड़ा ब्रांड बनाना चाहती है। इस लड़की के कारनामे से लोग अब काफी इंस्पायर हो रहे हैं। लड़की ने इंग्लिश लिटरेचर में मास्टर्स किया है। इसके बाद ब्रिटिश काउंसिल में नौकरी कर रही थी। हालांकि लड़की का मन नौकरी में नहीं लग रहा था। इसके बाद लाखों की नौकरी छोड़ लड़की ने सड़क पर चाय का ठेला लगाना शुरू कर दिया। अब लोग उसे एमए इंग्लिश चायवाली कहकर बुला रहे हैं।

अपने सपनों को पूरा करने के लिए छोड़ी लाखों की नौकरी

लड़की का नाम शर्मिष्ठा घोष है। शर्मिष्ठा का सपना है कि उनकी चाय-कैफे की चेन हो। इंग्लिश लिटरेचर में पोस्ट-ग्रेजुएट शर्मिष्ठा घोष इन दिनों दिल्ली कैंट के गोपीनाथ बाजार में रेहड़ी पर छोटी सी चाय की दुकान चलाती देखी जा सकती हैं। अपने स्टार्टअप के लिए उन्होंने ब्रिटिश काउंसिल की नौकरी छोड़ दी। भारतीय सेना के रिटायर्ड ब्रिगेडियर संजय खन्ना ने उनकी कहानी को लिंक्डइन पर शेयर किया है। शर्मिष्ठा घोष की तस्वीर के साथ संजय खन्ना ने एक पोस्ट लिखा, 'मैं यह देखकर बेहद उत्सुक हुआ और शर्मिष्ठा से ऐसा करने का कारण पूछा।

उन्होंने बताया कि उनके पास चायोस जितना बड़ा ब्रांड बनाने का विजन और सपना है।' शर्मिष्ठा घोष की दोस्त भावना राव इस छोटे से चाय के स्टॉल में ज्वाइंट पार्टनर हैं। जो लुफ्थांसा में काम करती हैं। संजय खन्ना ने लिखा, 'कोई भी काम छोटा नहीं है। बस अपने सपने को सच करने के लिए जुनून और ईमानदारी होनी चाहिए।'

अब चेक हुआ बाउंस तो क्या होंगे नए नियम, पढ़िए सुझाव और अपडेट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 16 जनवरी , जब आप कोई बैंक अकाउंट खोलते हैं तो आपको कई तरह की सुविधाएं दी जाती है. जिनमें डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड , चेकबुक के अलावा कई अन्य सुविधाएं शामिल हैं. अगर आप चेकबुक के जरिये पेमेंट करते हैं तो आपके लिए यह जरूरी खबर है. चेकबुक के जरिये पैसों का लेन-देन काफी आम हो गया है. यही वजह है कि चेक बाउंस के भी केस लगातार बढ़ रहे हैं. ऐसे में केंद्र सरकार चेक बाउंसके बढ़ते केस को कम करने के लिए नियमों में बड़े बदलाव कर सकती है.

चेक बाउंस के नियमों में बदलाव में को लेकर मिले ये सुझाव

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सरकार चेक बाउंस के नए नियम जल्द ही लागू कर सकती है. इसको लेकर सरकार ने सुप्रीम कोर्ट की एक एक्सपर्ट कमेटी भी बनाई है. इस कमेटी ने सरकार से कई सिफारिशें की है. इसके अलावा हाल में वित्त मंत्रालय (Finance Ministry) ने भी एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की थी. इस दौरान चेक बाउंस के नियमों में बदलाव को लेकर कई तरह के सुझाव मिले हैं. इस सुझावों पर विचार के बाद सरकार इसे चेक बाउंस के नए नियम के रूप में लागू कर सकती है.

वित्त मंत्रालय इन कदमों पर कर रहा विचार

वित्त मंत्रालय चेक बाउंस के नियम के तहत चेक जारी करने वाले ग्राहकों के खाते में पर्याप्त बैलेंस न होने पर उसके दूसरे बैंक खातों से पैसा काटने जैसे सख्त कदम उठा सकता है. अब आप चेकबुक के जरिये से

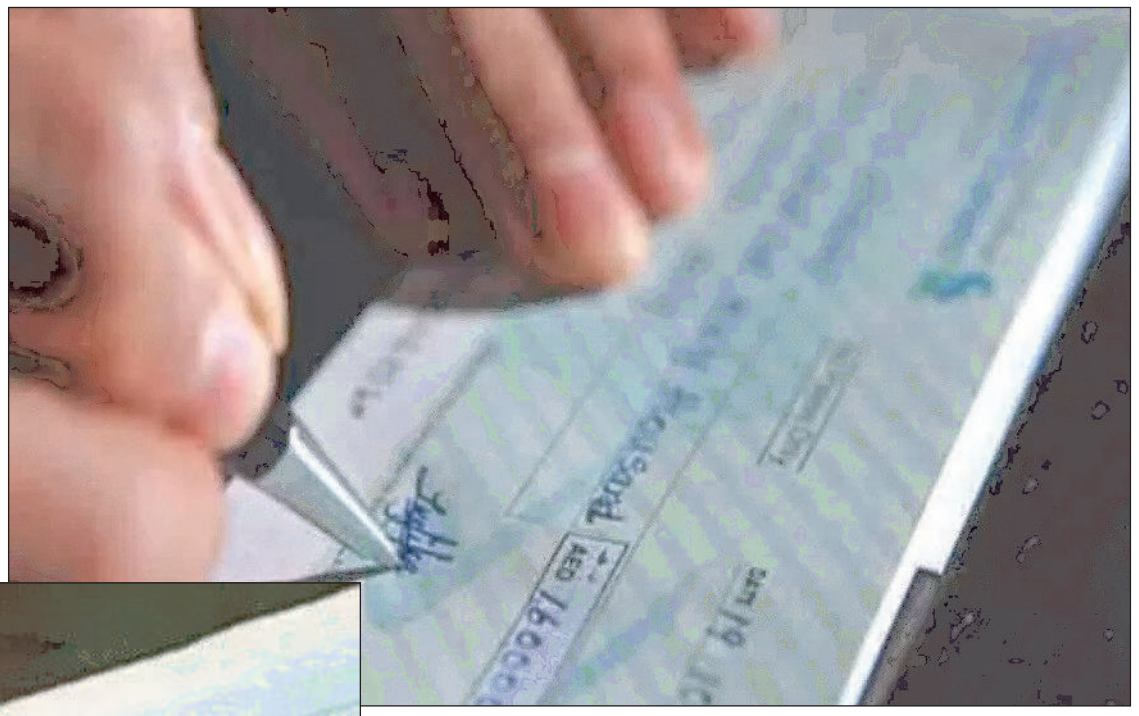

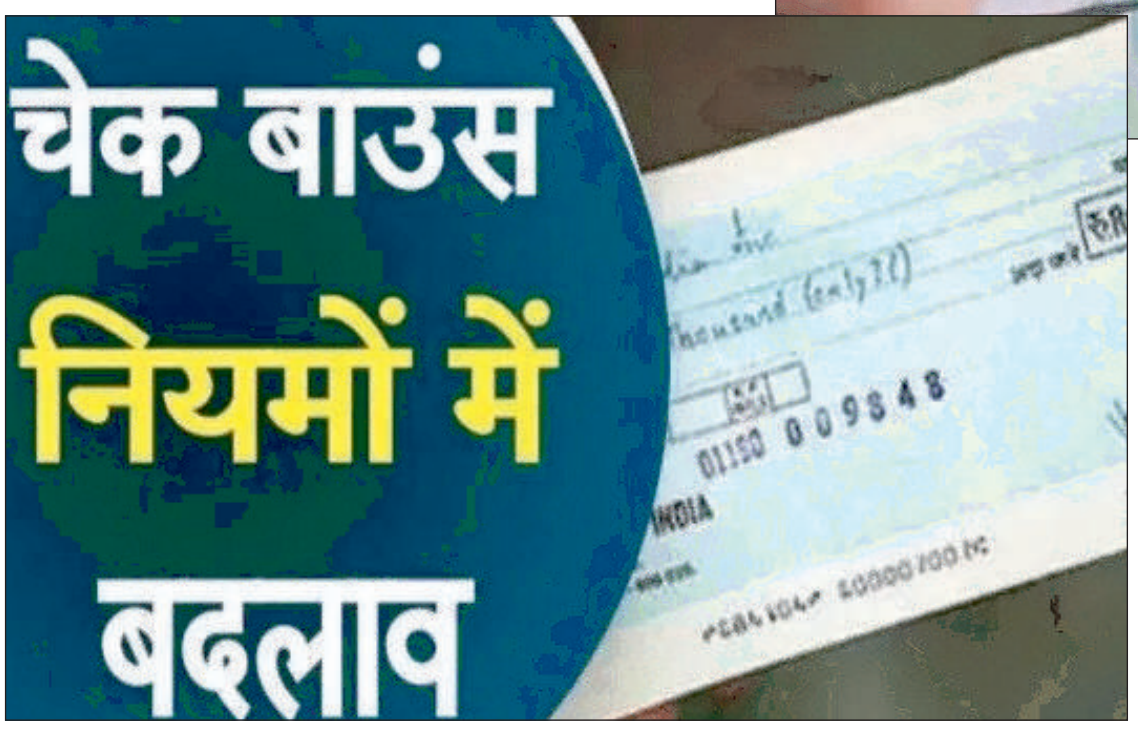

पेमेन्ट कर रहे हैं, आपके बैंक खाते में पर्याप्त राशि उपलब्ध होना चाहिए .अगर ऐसा नहीं हुआ तो आपके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई हो सकती है. इसके साथ ही ऐसे मामलों में चेक जारी करने वाले के नए बैंक खाते खोलने पर रोक लगाने सहित कई अन्य कदमों पर विचार किया जा रहा है.

आपको बता दें कि अगर सरकार एक्सपर्ट की कमेटी द्वारा की गई सिफारिशों को मानती है तो चेक बाउंस नियमों में कई बड़े बदलाव हो सकते हैं. तो चलिए हम बताते हैं आपको इसके बारे में...

चेक बाउंस होने पर दूसरे बैंक अकाउंट से होगा पेमेंट

नए नियमों में जो सबसे बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है वो यह है कि अब अगर आप पेमेंट के लिए चेक जारी करते हैं और आपके बैंक अकाउंट में पैसा नहीं है तो पेमेंट के लिए आपके दूसरे बैंक अकाउंट से पैसे कटेंगे. अभी तक ऐसा होता आ रहा है कि बैंक अकाउंट में पैसे न होने पर भी आप चेक से पेमेंट करते हैं तो आपका चेक सीधे बाउंस हो जाता है. अब इस नियम से चेक बाउंस केस में कमी आएगी.

नए बैंक अकाउंट खोलने पर भी लगेगी रोक

वहीं, नए नियम के लागू होने के बाद अगर आपका चेक बाउंस होता है तो ऐसे केस में आप कोई नया बैंक अकाउंट नहीं खुलवा पाएंगे. चेक बाउंस को लोन डिफॉल्ट के रूप में भी देखा जा सकता है. यही वजह है कि आप किसी किसी दूसरे बैंक में अपना खाता नहीं खोल पाएंगे. इतना ही नहीं, इससे आपके सिबिल स्कोर पर भी असर पड़ेगा और भविष्य में अगर आप लोनलेना चाहें तो इसमें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है.

सना अली कैसे बन गयी मिसाल ये कहानी नहीं हकीकत है

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 16 जनवरी , विदिशा की रहने वाली सना अली ऊंची उड़ान भरी है। सना का चयन इसरो में हो गया है। सना की पढ़ाई के लिए उसके माता-पिता ने गहने गिरवी रख दी थी। सना की सफलता पर सीएम ने बधाई दी है। भोपाल से सटे विदिशा की सना अली ऊंची छलांग लगाई है। बड़ी होती सना को देखकर लोग उसके माता-पिता को शादी करवाने की सलाह देने लगे थे। पिता का सपना था कि बेटी बड़ी होकर देश की सेवा करे। सना अली ने ड्राइवर पिता के सपने को पूरा कर दिया है। उसका चयन इसरो में हो गया है। इसके बाद परिवार में खुशी की लहर है। सना की सफलता पर पूरे प्रदेश को गर्व है। उसकी पढ़ाई के लिए माता-पिता ने गहने गिरवी रख दिए थे। इसरो में चयन के बाद सीएम शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बधाई दी।

सना का इसरो में हुआ चयन

सना अली अपने परिवार के साथ विदिशा के निकासा मोहल्ले में रहती है। उसके पिता साजिद अली ड्राइवर हैं। सना अली का चयन सतीश धवन स्पेस सेंटर इसरो के लिए हुआ है। वह वहां जल्द ही टेक्निकल असिस्टेंट के पद पर ज्वाइन करेगी। सना पढ़ाई में बचपन से ही तेज थी। उसने अपनी पढ़ाई एसटीआई कॉलेज से पूरी की है। सना अली ने यहां से एमटेक किया है। परिवार की आर्थिक स्थिति सही नहीं होने के कारण पढ़ाई के लिए उसे काफी संघर्ष करना पड़ा है।

पिता हैं ड्राइवर

सना के पिता साजिद अलगी एसटीआई में ड्राइवर में रहे हैं। आगे चलकर लैब असिस्टेंट बने। साजिद अली ने अपनी बेटी की पढ़ाई लोन लेकर करवाई है। इस दौरान परिवार को कई बार आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ा है। साजिद अली ने कभी बेटी की पढ़ाई में पैसों की कमी महसूस नहीं होने दी। उन्होंने अपनी पूरी ताकत लगाकर बेटी की पढ़ाई पूरी करवाई। सना की पढ़ाई के दौरान एक वक्त ऐसा भी आया, जब मां को गहने गिरवी रखने पड़े। वहीं, अपना खर्च निकालने के लिए सना पढ़ाई के दौरान ट्यूशन भी पढ़ाती थी। साथ ही अपनी पढ़ाई पर पूरा ध्यान देती थी। सना की सफलता पर विदिशा ही नहीं, पूरे मध्यप्रदेश को गर्व है। साथ ही पिता का सपना भी साकार हो गया है।

इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी होने के बाद सना की शादी ग्वालियर के इंजीनियर अकरम से हुई है। शादी के बाद सना अपनी तैयारी में जुटी रही। ससुराल की तरफ से भी उसे भरपूर सहयोग मिला है। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने ट्वीट कर कहा कि विदिशा की बेटी, सना अली को इसरो के सतीश

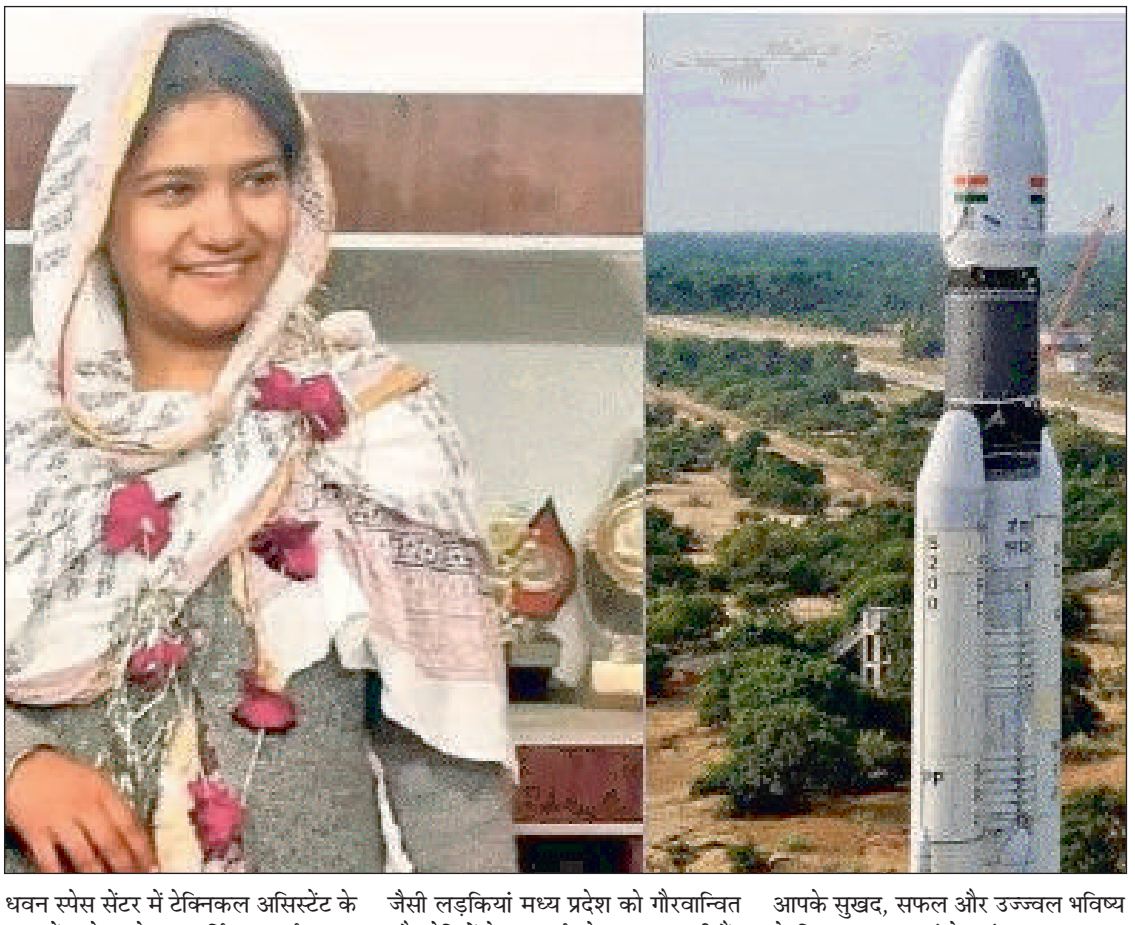

धवन स्पेस सेंटर में टेक्निकल असिस्टेंट के रूप में चुने जाने पर हार्दिक बधाई। आप जैसी लड़कियां मध्य प्रदेश को गौरवान्वित और बेटियों के सामर्थ्य को प्रकट कर रही हैं। आपके सुखद, सफल और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

आ गये ट्रैफिक के नए नियम जान ले वरना होगा नुकसान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 16 जनवरी , अगर आप भी बाइक चलाते हैं तो यह आपके लिए जरूरी खबर है. देश में इस समय ट्रैफिक के नियम काफी सख्त हो गए हैं. अगर आप भी बाइक चला रहे हैं और हेलमेट भी लगा रखा है तब भी आप पर 2,000 रुपये का जुर्माना लग सकता है. इन दिनों ऐसा देखा जा रहा है कि ट्रैफिक पुलिस वाले हेलमेट लगाने पर भी चालान काट रहे हैं. नए ट्रैफिक नियमों के तहत अगर आपने हेलमेट लगा रखा है तब भी आपका चालान कट सकता है.

नए नियमों के तहत लगेगा 2,000 रुपये का चालान

नए ट्रैफिक नियमों के अनुसार, अगर आप मोटरसाइकिल या फिर स्कूटर चलाते समय हेलमेट पट्टी नहीं पहनते हैं तो आप पर नियम 194डी एमवीए के तहत आप पर 1,000 रुपये का चालान लगेगा. इसके साथ ही अगर आपका हेलमेट खराब है यानी वह बीआईएस के बिना है और आपने इस तरह का हेलमेट पहन रखा है तो भी आपको 1,000 रुपये चालान के रूप में देने होंगे. यह नियम भी 194डी एमवीए के तहत लागू हुआ है.

नियमों का पालन करना है जरूरी

हेलमेट पहनने के बाद भी अगर आप नए नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं तो आपको 2,000 रुपये का चालान देना पड़ सकता है. देशभर में सड़क हादसों को रोकने के लिए सरकार की तरफ से ट्रैफिक नियमों को सख्त किया जा रहा है.

इस तरह देखें अपने चालान का स्टेटस

अगर आपको अपने चालान के बारे में जानकारी लेनी है कि आपका चालान कटा है या नहीं तो आप ऑफिशियल वेबसाइट https://echallan.parivahan.gov.in पर विजिट कर सकते हैं. यहां पर आपको अपने चालान का स्टेटस चेक करना है. अब आपको चालान नंबर, वाहन नंबर और ड्राइविंग लाइसेंस नंबर (डीएल) का ऑप्शन दिखाई देगा. जैसे ही आप अपने वाहन नंबर को सलेक्ट करेंगे और सारी डिटेल्स फिल करेंगे. इसके बाद में आपको अपना चालान का स्टेटस दिख जाएगा.

इस स्थिति में लगता है 20,000 रुपये का जुर्माना

इसके अलावा अगर आप नए मोटर व्हीकल एक्ट के तहत गाड़ी में ओवरलोडिंग करते हैं तो आप पर 20,000 रुपये तक का जुर्माना लग सकता है. इन सबके अलावा ऐसा करने पर आपको प्रति टन के हिसाब से 2,000 रुपये एक्सट्रा जुर्माना देना होगा.

किच्छा हादसे की मजिस्ट्रीयल जॉच में कौस्तुभ मिश्र बने जॉच अधिकारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रूद्रपुर 17 जनवरी 2023- जिलाधिकारी युगल किशोर पंत ने किच्छा क्षेत्रान्तर्गत हुये वाहन दुर्घटनाओं की मजिस्ट्रीयल जॉच हेतु उप जिला मजिस्टेट कौस्तुभ मिश्र को जॉच अधिकारी नामित किया है।

जॉच अधिकारी/उप जिला मजिस्टेट कौस्तुभ मिश्र ने बताया कि 16 नवम्बर को आनन्दपुर मोड़ किच्छा में उत्तराखण्ड परिवहन निगम की बस सं0-यूके-07पीए-4313 के वाहन चालक द्वारा वाहन को लापरवाही व तेज गति से चलाने के कारण प्रीतम सिंह कोहली उम्र 30 वर्ष की मृत्यु हो गयी। उन्होने कहा है कि उक्त प्रकरण में यदि किसी को भी अपना पक्ष रखना हो अथवा किसी के पास कोई अन्य जानकारी हो तो वह 25 जनवरी 2023 तक किसी भी कार्य दिवस में प्रातः 10 बजे से सांय 05 बजे तक बयान हेतु या साक्ष्य/दस्तावेज सहित उपस्थित होवें।

2- जॉच अधिकारी/उप जिला मजिस्टे^{a}ट ने बताया कि दिनांक 05.11.2022 को महालक्ष्मी कम्पनी के पीछे, थाना पंतनगर में वाहन सं0-यूके-06टीए-6657 (टैम्पो) के वाहन चालक द्वारा वीरपाल नाम व्यक्ति की मोटरसाईकिल में टक्कर मारकर उसे गम्भीर रूप से घायल कर देने व मोटरसाईकिल को क्षतिग्रस्त कर दी। उन्होने कहा है कि उक्त प्रकरण में यदि किसी को भी अपना पक्ष रखना हो अथवा किसी के पास कोई अन्य जानकारी हो तो वह 25 जनवरी 2023 तक किसी भी कार्य दिवस में प्रातः 10 बजे से सांय 05 बजे तक बयान हेतु या साक्ष्य/दस्तावेज सहित उपस्थित होवें।

3- जॉच अधिकारी/उप जिला मजिस्टे^{a}ट ने बताया कि दिनांक 21.11.2022 को रूद्रपुर किच्छा रोड थाना किच्छा में वाहन सं0-यूके-06टीए-6641 (टैम्पो) के वाहन चालक द्वारा वाहन को लापरवाही व तेज गति से चलाने के कारण आदित्य प्रताप नामक व्यक्ति गम्भीर रूप से घयल हो गये। उन्होने कहा है कि उक्त प्रकरण में यदि किसी को भी अपना पक्ष रखना हो अथवा किसी के पास कोई अन्य जानकारी हो तो वह 25 जनवरी 2023 तक किसी भी कार्य दिवस में प्रातः 10 बजे से सांय 05 बजे तक बयान हेतु या साक्ष्य/दस्तावेज सहित उपस्थित होवें।

लो जी मैडम ने रजाई से कर ली शादी !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 16 जनवरी , कहते हैं कि प्यार अंधा होता है, वो जाति, धर्म, समुदाय, रंग, उम्र और लिंग नहीं देखता. पर क्या आपने कभी सुना होगा कि कोई इंसान, किसी निर्जीव वस्तु से इस तरह प्यार करने लगे, जैसे वो दूसरे इंसान से करता है? हां ये मुमकिन है और कई बार सुनने को भी मिलता है कि कोई गुड़िया को अपना लाइफ पार्टनर बना लेता है. पर क्या आपने कभी सुना है कि कोई रजाई को अपना पार्टनर बनाकर उससे शादी कर ले. ऐसा एक महिला ने कुछ सालों पहले किया था जिसने हाल ही में बताया कि उसके लिए, उसका पति, सबसे सच्चा साथी है.डेली स्टार न्यूज वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार इंग्लैंड की पास्केल सेलिक ने साल 2019 में वैलेंटाइन डे के मौके पर शादी की थी. हैरानी ये नहीं है कि महिला ने शादी की, पर हैरानी इस बात की है कि उसने किस्से शादी की. एक इंसानी बॉयफ्रेंड होने के बावजूद उसने एक रजाई से शादी की. सिंगल बेड रजाई को वो अपने अकेलेपन का साथी मानती थी और उसने पति के तौर पर, बॉयफ्रेंड की जगह उसे चुना.

हैरानी की बात ये भी है कि जब महिला ने ये विचित्र शादी की थी, तब अपने परिवार और दोस्तों को भी न्योता दिया था. उसका बॉयफ्रेंड तक इस अजीबोगरीब शादी में शामिल हुआ था. महिला ने एक शो को दिए इंटरव्यू में कहा कि उसके पास कई और रजाई भी हैं पर उसे, उसी एक रजाई से सबसे ज्यादा प्यार है. शादी करने के पीछे एक खास मकसद था. वो लोगों को खुद से प्यार करने और खुद की देखभाल करने के लिए जागरूक करना चाहती थी, साथ में ये भी बताना चाहती थी कि खुश रहने के लिए किसी इंसान के साथ रिश्ते में बंधने की जरूरत नहीं है.

बॉयफ्रेंड होने के बावजूद रजाई से की शादी

महिला ने कहा कि उसके बॉयफ्रेंड जॉनी को इस बात से कोई आपत्ति नहीं है. बॉयफ्रेंड से रजाई शेयर करने की बात पर उसने कहा कि उसकी रजाई सिंगल है पर जब वो बॉयफ्रेंड से शादी करेगी तब डबल बेड की रजाई ले लेगी, हालांकि, अपने पहले पति, यानी रजाई का साथ वो नहीं छोड़ेगी. महिला ने कहा कि उसकी रजाई उसके लिए हर वक्त मौजूद रहती है, जब वो ज्यादा दुखी होती है या खुश होती है. इस संबंध में रोमांस से ज्यादा दोस्ती है.

संपादकीय

पाकिस्तान में गंभीर आटा संकट

कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर चल रहे पाकिस्तान के कई वीडियो अगर सही हैं, तो वे हृदय विदारक हैं. इनमें दिखाया गया है कि किस तरह राशन के आटे की थैली के लिए लोग परेशान हैं और आपस में झगड़ रहे हैं तथा जिन्हें थैली नहीं मिल पा रही है, वे जार-जार रो रहे हैं. पाकिस्तान के जाने-माने पत्रकार हामिद मीर ने प्रसिद्ध हास्य कलाकार दिवंगत उमर शरीफ का एक पुराना वीडियो शेयर किया है, जिसमें वे कह रहे हैं कि आटे की कीमत ऐसे ही बढ़ती रही, तो लोग आटे के जेवर बनवाने लगेंगे. हामिद मीर का कहना है कि उमर शरीफ की बात आज जैसे सच साबित हो रही हो. हालांकि उमर शरीफ ने यह बात दिल्लगी में कही थी, लेकिन आज पाकिस्तान कमोबेश ऐसे ही आटा संकट से जूझ रहा है और पूरे देश में हाहाकार मचा हुआ है. पाकिस्तान में इन दिनों आटा 160 रुपये प्रति किलोग्राम तक बिक रहा है. राजधानी इस्लामाबाद में 10 किलो आटे का बैग 1,500 रुपये में बिक रहा है. खैबर पख्तूनख्वा में स्थिति सबसे खराब है. वहां 10 किलोग्राम आटे का बैग 1,600 रुपये में बिक रहा है. जैसे भारत के पूर्वी हिस्से में चावल भोजन का महत्वपूर्ण हिस्सा है, उसी तरह पाकिस्तान में गेहूं अहम है. एक रिपोर्ट में कहा गया है कि हजारों लोग राशन के आटे की थैली के लिए घंटों इंतजार करते हैं. आटे की लूटपाट को रोकने के लिए राशन वाहनों की सुरक्षा सशस्त्र बलों को सौंपी गयी है. इन वाहनों के आसपास धक्का-मुक्की और झगड़ा एक आम नजारा है. केवल आटा ही नहीं, पिछले कुछ अरसे में पाकिस्तान में खाद्य वस्तुओं की कीमतों में लगभग 40 फीसदी तक बढ़ोतरी हुई है. दरअसल, आटा संकट तो केवल एक आयाम है. बढ़ते कर्ज, घटते विदेशी मुद्रा भंडार और राजनीतिक अस्थिरता की वजह से अर्थव्यवस्था चरमरा गयी है. चीन ने भी पाकिस्तान में अपना निवेश कम कर दिया है. पाकिस्तान खाड़ी के देशों और चीन से आर्थिक सहयोग की गुहार लगा रहा है. दूसरी ओर बिजली का भी संकट आ खड़ा हुआ है. बिजली बचाने के लिए सरकार ने बाजारों को रात 8.30 बजे तक बंद करने का आदेश दिया है. शादियों के लिए समय सीमा रात 10 बजे तक निर्धारित कर दी गयी है. सरकारी कर्मचारियों को सही समय पर वेतन नहीं मिल पा रहा है. रिटायर कर्मचारियों को पेंशन का भुगतान नहीं हो पा रहा है, क्योंकि सरकार के पास पर्याप्त पैसे नहीं हैं. पाकिस्तान की राजनीतिक अस्थिरता का असर देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ा है. इन दिनों वहां की राजनीति में घात-प्रतिघात का दौर चल रहा है. पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान शाहबाज शरीफ सरकार और सेना से टकराव की राह पर बढ़ते नजर आ रहे हैं. वे लगातार उत्तेजक भाषण दे रहे हैं और अपने को समर्थकों को सरकार और सेना के प्रति भड़का रहे हैं.

रंगाई पुताई करने वाला ही निकला गर्ल्स हॉस्टल का चोर, पौड़ी पुलिस ने दबोचा

8 घण्टों में ही चोरी का खुलासा , शत-प्रतिशत माल की बरामदगी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी , 16 जनवरी , बीते 15 जनवरी को लेफ्टिनेन्ट कर्नल गुंजन पाठक निवासी वार्डन अलकनन्दा गर्ल्स हॉस्टल, श्रीनगर जनपद पौड़ी गढ़वाल ने कोतवाली श्रीनगर पर प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करायी कि वह सपरिवार अपने घर श्रीनगर से देहरादून गये थे। लेकिन जब वो सपरिवार अपने घर श्रीनगर वापस आये तो उनको घर के बेडरूम के दरवाजे का ताला टूटा हुआ मिला तथा लॉकर से किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा सोने चाँदी के जेवरात चोरी कर लिये हैं। प्रथम सूचना रिपोर्ट के आधार पर कोतवाली श्रीनगर मेंमामला दर्ज़ किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद पौड़ी गढ़वाल श्वेता चौबे ने चोरी की घटना को गम्भीरता से लेते हुये प्रभारी निरीक्षक श्रीनगर के नेतृत्व में टीम गठित कर अभियोग का सफल निस्तारण कर अभियुक्त की शीघ्र गिरफ्तारी करने हेतु आदेशित किया गया।जिसके क्रम में शेखर चन्द्र सुयाल अपर पुलिस अधीक्षक कोटद्वार के निर्देशन, श्याम दत्त नौटियाल क्षेत्राधिकारी श्रीनगर के पर्यवेक्षण, हरिओम राज चौहान प्रभारी निरीक्षक श्रीनगर के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा अथक प्रयास एवं सर्विलान्स की मदद से घटना के 8 घण्टे के अन्दर ही घटना में संलिप्त अभियुक्त मोहम्मद आरिफ को चोरी किये गये शत-प्रतिशत सामान के साथ एन.आई.टी. श्रीनगर के पास से गिरफ्तार किया गया। चूँकि मामला गढ़वाल यूनिवर्सिटी परिसर का था तो यूनिवर्सिटी स्टॉफ द्वारा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के प्रभावी निर्देशन में पौड़ी पुलिस की कुशल कार्यप्रणाली की जमकर तारीफ की जा रही है। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त ने पूछताछ में बताया कि पूर्व में उसके द्वारा ग्लास हाउस श्रीनगर के पास रात्रि में घर में घुसकर ज्वैलरी आदि की चोरी की गयी थी। साथ ही बताया कि वह घरों में रंगाई-पुताई का कार्य करता है एवं रंगाई पुताई के दौरान घरों की रेकी कर बन्द मकानों में घुसकर अलमारी एवं संदूकों का ताला तोड़कर ज्वैलरी आदि चुराता था।

सक्रिय अपराधियों पर पौड़ी पुलिस सख्त शराब तस्कर पर कसा शिकंजा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी , 16 जनवरी , वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद पौड़ी गढ़वाल, श्वेता चौबे ने जनपद में आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम, आदतन अपराधियों की निगरानी करने, भविष्य में आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाए जाने तथा अवैध गतिविधियों में संलिप्त आदतन अपराधियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने हेतु समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है।

जिसके क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक कोटद्वार शेखर चन्द्र सुयाल के निर्देशन, क्षेत्राधिकारी श्रीनगर श्याम दत्त नौटियाल के पर्यवेक्षण, प्रभारी निरीक्षक हरिओम राज चौहान के नेतृत्व में कोतवाली श्रीनगर पुलिस ने अभियुक्त योगेन्द्र सिंह रावत उर्फ योगी पुत्र सोहन सिंह निवासी श्रीकोट, गंगनाली श्रीनगर जनपद पौड़ी गढ़वाल के अवैध शराब की बिक्री एवं तस्करी में लगातार सक्रिय रहकर, संलिप्त रहने पर विरूद्ध गुण्डा अधिनियम के अन्तर्गत कार्यवाही की गयी। जनपद में ऐसे आदतन अपराधी जो कई अपराधों लगातार संलिप्त हैं, उनके विरूद्ध गुण्डा एक्ट के अन्तर्गत वैधानिक कार्यवाही लगातार जारी है।

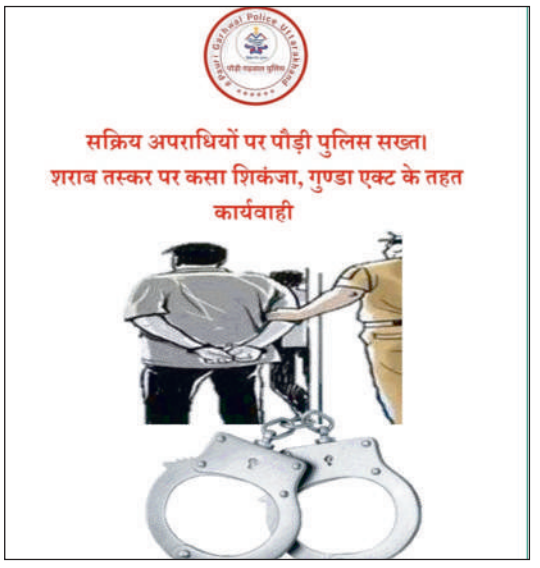

2015 में भर्ती 20 दरोगाओं पर गिरी गाज, निलंबित करने के आदेश जारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादूनः 2015 में हुई दारोगा भर्ती धपले में 20 दारोगाओं पर गाज गिरी है। पुलिस मुख्यालय की ओर से सभी जिला प्रभारियों को आदेश जारी कर 2015 में हुए 20 दरोगाओं को निलंबित करने के आदेश जारी कर दिए हैं।

प्राथमिक जांच में यह सामने आया है कि 20 दारोगा रुपये देकर भर्ती हुए थे। बता दें कि वर्ष 2015 में 339 दारोगाओं की भर्ती हुई थी। यूकेएसएसएससी की भर्ती घपले की जांच के बाद गिरफ्तार किए गए नकल माफिया से जब एसटीएफ ने पूछताछ की तो उस दौरान सामने आया की दारोगा भर्ती में भी नकल हुई थी।

करीब आठ वर्ष पूर्व वर्ष 2015 में हुई यह भर्ती तत्कालीन कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री हरीश रावत के कार्यकाल में हुई थी। दारोगा के 339 पदों पर सीधी भर्ती की परीक्षा की जिम्मेदारी गोविंद बल्लभ पंत विश्वविद्यालय पंतनगर को दी गई थी। उस दौरान भी भर्ती में घपले के आरोप लगे थे, लेकिन सरकार की ओर से जांच न कराने के कारण मामला दब गया। यूकेएसएसएससी भर्ती परीक्षा की घपलेबाजी में पंतनगर यूनिवर्सिटी का एक रिटायर्ड अधिकारी भी गिरफ्तार हुआ था, जिसके तार नकल माफिया हाकम सिंह रावत के साथ जुड़े। जब गहनता से जांच की गई तो पता चला कि दोनों ने दारोगा भर्ती परीक्षा में भी गड़बड़ी करवाई गई थी।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी
कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित।
फ़ोन : 0135-4066790, 2672002
RNI No. : UTTHIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406
E-mail : dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com
YouTube : TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

ऑनलाइन पेमेंट करने वालों के लिए खुश खबर, मिलेगा इंसेंटिव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 16 जनवरी , देश में डिजिटल ट्रांजेक्शन को बढ़ावा देने के लिए सरकार एक और अहम कदम उठाने जा रही है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट की मीटिंग में रुपे डेबिट कार्ड को प्रमोट करने और BHIM UPI के जरिए लो-वैल्यू ट्रांजेक्शंस को बढ़ावा देने के लिए इंसेटिव स्कीम को मंजूरी दी गई. कैबिनेट के फैसले की जानकारी देते हुए केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि स्कीम पर लगभग 1,300 करोड़ रुपये का खर्च आएगा. बजट 2021 में डिजिटल ट्रांजेक्शन को बूस्ट देने के लिए किए गए एलान को मद्देनजर यह स्कीम तैयार की गई.

सरकार इस स्कीम के अंतर्गत रुपे डेबिट कार्ड के इस्तेमाल और BHIM-UPI के जरिए 2,000 रुपये तक के पर्सन टू मर्चेंट (P2M) ट्रांजेक्शन पर इन्सेंटिव देगी. एक साल के लिए इस स्कीम पर करीब 1,300 करोड़ रुपये खर्च होंगे. यह 1 अप्रैल 2021 से लागू प्रभावी मानी जाएगी. इस स्कीम बैंकों को मजबूत डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम डेवलप करने और RuPay डेबिट कार्ड और BHIM-UPI डिजिटल ट्रांजेक्शन को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी. इससे देश के सभी सेक्टर और आबादी में डिजिटल पेमेंट की सुविधा का विस्तार होगा.

इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इस स्कीम के अंतर्गत यूपीआई और रूपे डेबिट कार्ड के जरिये डिजिटल लेनदेन पर 1,300 करोड़ रुपये के 'चॉर्जेज' को वापस करने की मंजूरी दी गई है. सरकार मर्चेंट डिस्काउंट रेट (MDR) के तहत व्यक्तियों द्वारा कारोबारियों को किए गए डिजिटल भुगतान पर लगाए गए लेनदेन शुल्क को लौटाएगी.

बैंकिंग सर्विस से दूर आबादी को मिलेगी सुविधाा

सरकार का कहना है कि इससे उन बैंकिंग सर्विसेज की पहुंच बाहर की आबादी को डिजिटल तरीके से पेमेंट की सुविधा उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी. आज के समय में भारत में दुनिया का सबसे प्रभवी पेमेंट्स मार्केट है. यह डेवलपमेंट केंद्र सरकार की पहल और डिजिटल पेमेंट इकोसिस्ट की कंपनियों के इनोवेशन का नतीजा है. यह स्कीम फिनटेक स्पेस में रिसर्च एंड डेवलपमेंट को प्रमोट करेगी. इससे सरकार को देशों के अलग-अलग हिस्सों में डिजिटल पेमेंट को और प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी. बता दें, बजट 2021-22 में सरकार ने देश में डिजिटल ट्रांजेक्शन को बढ़ावा देने के लिए एलान किए थे. उसी एलान के अंतर्गत सरकार यह स्कीम लेकर आ रही है.

महिलाए आज ही छोड़ दें पैसों से जुड़ी ये बुरी आदतें, नहीं होगी टेंशन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 16 जनवरी , आज महिलाएं फाइनेंशली तरीके से हर क्षेत्र मे आगे हैं। नौकरीपेशा महिला को आर्थिक रूप से किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। आर्थिक रूप से निर्भर महिला अपने तरीके से लाइफ को जीनें में विश्वास करती है। लेकिन आत्मनिर्भर होने के साथ ही कई ऐसी चीजें भी होती हैं, जिन पर ध्यान देना जरूरी हो जाता है। आप पैसों को खर्च करने के साथ बचाएं भी, क्योंकि ये आपके आने वाले फ्यूचर के लिए बेहद जरूरी है।

खर्च पर लगाम लगाना बहुत जरूरी है।

अगर आप वर्किंग विमेन हैं तो आपको अपनी अर्निंग से पैसा सेफ करना होगा। अगर आप ऐसा नहीं करती तो इसके परिणाम भी अच्छे नहीं हो सकते। आइये जानते हैं वर्किंग विमेन की फाइनेंस रिलेटेड खराब आदतें- बड़े ब्रांड्स से शॉपिंग करना आप वर्किंग विमेन हैं और अच्छा अर्न करती है, तो ये आपके साथ भी होता है, आप की किसी कलिग ने बड़े ब्रांड का आउटफिट खरीदा हो, तो आप भी अपने आप को हाई दिखाने के लिए दूसरे बड़े ब्रांड से और उससे महंग आउटफिट खरीद लेती हैं। लेकिन ये आपके लिए बेहतर नहीं हैं। किसी की देखादेखी पैसा खर्च करना कोई समझदारी वाला काम नहीं है। अच्छे और ब्रांडेड कपड़े खरीदना अच्छी बात है। लेकिन बिना वजह, जब आपको उस ड्रेस की जरूरत ना हो, तो ये पैसे को खराब करना माना जाएगा। अपनी इस आदत में सुधार लेकर आएं।

इनवेस्टमेंट की सही जानकारी नहीं हैं

अगर आप भी अपने पैसे बैंक के अकाउंट में ही रहने देती है, क्योंकि आपको इनवेस्टमेंट की सही जानकारी नहीं है। तो इसके बारें में आप अपनी कंपनी की फाइनेंस टीम से बात कर सकती हैं। इसके साथ ही आजकल यूट्यूब पर भी अपने पैसों को निवेश करने से संबंधित वीडियो मिल जाएंगे, जिससे आप समझ सकती हैं कि पैसे कहां पर कैसे निवेश करने हैं। आप बैंक की विभिन्न योजनाओं में भी निवेश कर सकती हैं।इसके लिए आप बैंक अधिकारी से बात करें वो आपको सही तरह से गाइड करेगा।

क्रेडिट कार्ड पर निर्भरता

महिलाएं ये अक्सर करती हैं कि मार्केट में या फिर ऑनलाइन कुछ भी उनको अच्छा दिखता है, वो उसको तुरंत खरीदने के बारें में सोंचती है, अकाउंट में कम पैसे होने के बावजूद भी वो अपने क्रेडिट कार्ड से सामान पर्चेज कर लेती हैं। लेकिन बाद में बिलिंग के वक्त उनको परेशानी का सामना पड़ता है। आमदनी कम होने, और खर्चा ज्यादा करने होने से आपकी फाइनेंशल प्रॉबलम में इजाफा ही होगा।

इमरजेंसी के लिए मनी सेविंग ना करना

अगर आप अपनी अर्निंग से किसी भी प्रकार की इमरजेंसी के लिए पैसे सेव नहीं करती तो ये आपके लिए खतरे वाली बात है। कभी भी कहीं भी आपको इमरजेंसी जैसे स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। इसके लिए सेविंग करना काफी जरूरी है, जिससे आपको वक्त पर किसी के सामने हाथ ना फैलाना पड़े।

खर्च हुए पैसों का रिकॉर्ड ना रखना

अगर आप अपने खर्च हुए पैसों का रिकॉर्ड नहीं रखती तो ये भी आपके लिए सही नहीं है। क्योंकि आपको पता ही नहीं चल पा रहा है कि आप खर्च कहां-कहां कर रहे हैं। इससे आपको बजट बनाने भी परेशानी होगी। साथ ही आप जिन एरिया में अधिक खर्च नहीं करना चाह रहे हों, तब भी वहां पर आप ज्यादा खर्च कर देते हैं। इसलिए पैसा कहां खर्च हो रहा है, इसका एक डायरी में या फिर अपने अपने मोबाइल पर जरूर लिखें। इससे पैसों को बचत में भी हेल्प होगी।

बाहर आउटिंग करने पर भी फालतू के खर्च

जब भी आप बाहर जाती हैं, अनुमान से अधिक खर्च होता है। बाहर खाना खाने पर बिल के साथ एक्सट्रा जीएसटी व रेस्ट्रोरेंट वाले भी अपना चार्ज लेते हैं। इससे बेहतर की आप बाहर खाना खाने के लिए कम जाएं, घर के खाने को अहमियत दें जो हेल्दी होता है, साथ ही पैसों की बचत में भी आपकी मदद करता है।